प्राकृत ग्रन्थमाला - 18

मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख एवं मागधी प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी कोश

प्रधान-सम्पादक
प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री
(कुलपति)

लेखक एवं सम्पादक
डॉ. सुदर्शन मिश्र
(एम.ए, पीएच.डी., डी.लिट्)

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
जनकपुरी, नई दिल्ली

विषयानुक्रमणिका

	विषय	पृष्ठ
	प्रस्तावना	**1-75**
1.	मागधी प्राकृत का उद्भव	1-6
2.	मागधी भाषा का प्रचार-प्रसार और विकास	6-18
3.	मागधी अभिलेख के प्राचीनतम साक्ष्य	18-24
4.	मागधी अभिलेखों की वर्तमान स्थिति	24
5.	अभिलेखों की भाषा को प्राचीन मागधी मानने का आधार	24-26
6.	प्राचीन मागधी की भाषिक प्रवृत्तियाँ	26-28
7.	मागधी का अन्य प्रादेशिक भाषाओं पर प्रभाव	28-31
8.	मागधी की प्राचीन लिपि	31-32
9.	मागधी अभिलेखों का महत्त्व	32-50
	1. ऐतिहासिक तथ्य	33-36
	2. प्रशासनिक प्रबन्ध	36-50
10.	मानवीय-मूल्य	50-54
11.	बौद्ध अध्ययन के तत्त्व	55-59
12	मागधी अभिलेखों के सारांश	59-75
	मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख	
1.	पलकमस फले (पराक्रम का फल) (सहसाराम, अहरौरा, वैराट् और बाहपुर अभिलेख।)	1
2.	धंम पलियायानि (धर्म-पर्याय)	5
3.	आजीविकेहि कुभादाने (आजीविकों को गुफादान) -1	7
4.	जीवं न पजोहितविये (जीव का होम/बलि नहीं करना चाहिए)	8
5.	मनुस-पसुचिकिसा (मानव-पशुओं की चिकित्सा)	9
6.	अनुसंयानं (दौरा)	10
7.	भेलिघोसं अहो धंमघोसं (भेरिघोष धर्मघोष बन गया)	11
8.	कयाने दुकले (कल्याण दुष्कर है)	13
9.	पटिवेदना (सूचना)	15
10.	सयमं भावसुधी च (संयम और भावशुद्धि)	17

36. आजीविकेहि कुभादाने- ॥

(आजीविकेभ्य: गुहादानम् = आजिविकों को गुहादान)

[प्रस्तुत पाठ अशोक के पौत्र और कुणाल के पुत्र दशरथ द्वारा नागार्जुनी नामक पर्वत पर निर्मित गुफाओं में उत्कीर्ण अभिलेखों से गृहीत है। दशरथ ने उपर्युक्त पर्वत पर तीन गुफाएँ बनवायीं थी, जो वहियका, गोपिका और बडथिका के नाम से सम्बोधित हैं। इन गुफाओं के बाहर इनके निर्माण से सम्बन्धित निम्नलिखित अभिलेख हैं। इन अभिलेखों से अशोक के पौत्र दशरथ की ऐतिहासिकता सिद्ध होती है और आजीविकों की महत्ता भी प्रकट होती है। यह भी ज्ञात होता है कि दशरथ ने अशोक की उदार धार्मिक नीति को जारी रखा था।]

1

वहियका कुभा दषलथेन देवानंपियेना आनंतलियं अभिषितेना [आजीविकेहि] भदंतेहि वाषनिषिदियाये निषिठे आ चंदम षूलियं।

संस्कृतच्छाया

वहियका गुहा दशरथेन देवानांप्रियेण आनन्तर्येण अभिषिक्तेन [आजीविकेभ्य:] भवद्भय: वर्षा-निषद्यायै निसृष्टा आचन्द्र-सूर्यम्।

हिन्दी अनुवाद

वहियका (नामकी) गुहा, तुरन्त अभिषिक्त हुए देवों के प्रिय दशरथ द्वारा आजीविक भदन्तों को वर्षा-आवास के लिए बनवाया गया, चन्द्र-सूर्य (की स्थिति) तकके लिए।

2

गोपिका कुभा दषलथेना देवा[नां] पियेना आनंतलियं अभिषितेना आजीविके[हि] [भद]तेहि वाष निषिदियाये निसिठा आ चंदम षूलियं।

संस्कृतच्छाया

गोपिका गुहा दशरथेन देवा[नां] प्रियेण आनन्तर्येण अभिषिक्तेन आजीविके[भ्य:] मदन्द्भ्य: वर्षा-निषिद्यायै निसृष्टा आचन्द्र-सूर्यम्।

हिन्दी अनुवाद

गोपिका (नामकी) गुहा तुरन्त अभिषिक्त देवों के प्रिय दशरथ द्वारा आजीविक भदन्तों को वर्षा-आवास के लिए बनवायी गयी, चन्द्र सूर्य (की स्थिति) तकके लिए।

3

वडथिका कुभा दषलथेना देवानंपियेना आनंतलियं अ[भि]षितेना[आजी] विकेहि भदंतेहि वा [षनिषि]दियाये निषिठा आ चंदम षूलियं।

संस्कृतच्छाया

वडथिका गुहा दशरथेन देवानांप्रियेण आनन्तर्येण अभिषिक्तेन [आजी]विकेभ्य:

पालि एवं प्राकृत योजना के अन्तर्गत
प्रकाशित प्राकृत ग्रन्थों की सूची

1. प्राकृत साहित्य और भारतीय परम्पराएँ (लेख संग्रह)
2. प्राकृत भाषा और व्याकरण के विविध आयाम (लेख संग्रह)
3. आख्यानमणिकोशः (हिन्दी अनुवाद)
4. नाट्यशास्त्र में प्राकृत-सन्दर्भ (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
5. किरियासारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
6. णाणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
7. कसायपाहुडसुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
8. रयणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
9. प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य में प्रतिपादित दार्शनिक मीमांसा
10. भारतीय दर्शन और साहित्य के विकास में प्राकृत वाङ्मय का योगदान (लेख संग्रह)
11. UNIVERSAL VALUES OF PRAKRIT TEXTS (लेख संग्रह)
12. भगवदी आराहणा (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
13. गणिविज्जा-सुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
14. पउमचरियं - प्रथम भाग (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
15. गाहारयणकोसो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
16. दंसणकहरयणकरंडु, प्रथम भाग (हिन्दी अनुवाद)
17. मागधी प्राकृत की विभाषाएँ
18. मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण एवं सन्दर्भ

योऽनूचानः स नो महान्।
राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
56-57 सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058
ईमेल - rskspp2009@gmail.com फोन - 011-28520979, फैक्स- 011-28520976

978-93-85791-37-6